PAULINE पैग़ाम

2024–2025

सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज

Estd - 1959

प्रधानाचार्य का संदेश

प्रिय छात्र, अभिभावक एवं शिक्षकगण,

हमारे विद्यालय पत्रिका के इस संस्करण में आप सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत गर्व और हर्ष का अनुभव हो रहा है। यह पत्रिका केवल लेखों और उपलब्धियों का संग्रह मात्र नहीं है, बल्कि हमारे छात्रों की रचनात्मकता, समर्पण और कठिन परिश्रम का प्रतिबिंब है। यह हमारे विद्यालय के जीवंत वातावरण और उन अनगिनत स्मरणीय क्षणों को संजोए हुए है, जो हमारे विद्यार्थियों के सीखने की यात्रा को विशेष बनाते हैं।

कुछ सप्ताह पहले, मेरी एक छात्र से बातचीत हुई जो अपनी पढ़ाई को लेकर संघर्ष कर रहा था। जब मैंने उससे कारण पूछा, तो वह झिझका और फिर बोला, "मैं अक्सर कक्षाओं में अनुपस्थित रहता हूँ, और अब मुझे लगता है कि मैं बहुत पीछे रह गया हूँ।" उसकी यह बात स्कूल में नियमित उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी के महत्व की एक सशक्त याद दिला गई।

शिक्षा केवल पाठयपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं है, यह अनुभव, मित्रता, चुनौतियों और समग्र विकास का एक सफर है। जो विद्यार्थी नियमित रूप से विद्यालय आते हैं, वे न केवल ज्ञान अर्जित करते हैं बल्कि आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल और सामूहिकता की भावना भी विकसित करते हैं। प्रत्येक प्रार्थना सभा, प्रतियोगिता और कक्षा चर्चा उनके उज्ज्वल भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है– कई बार ऐसे तरीकों से जिनका एहसास हमें तुरंत नहीं होता।

प्रिय अभिभावकों, मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप अपने बच्चों को विद्यालय में नियमित उपस्थिति के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें सभी गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रेरित करें। आपकी सहभागिता उनके जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। जब विद्यार्थी पूरी निष्ठा से अपनी पढ़ाई और सह–पाठयक्रम गतिविधियों में भाग लेते हैं, तो वे न केवल शैक्षणिक रूप से बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं।

जैसे–जैसे आप इस पत्रिका के पन्ने पलटेंगे, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि इसमें संकलित शानदार प्रयासों और उपलब्धियों का जश्न मनाएँ। यह पत्रिका हमें यह याद दिलाने के लिए है कि हम सभी में सीखने, आगे बढ़ने और बदलाव लाने की अपार क्षमता है।

आइए, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक छात्र अपने विद्यालय जीवन का सर्वोत्तम उपयोग करे।

फादर संतियागो राज
प्रधानाचार्य

प्रधानाध्यापिका की कलम से...

यह संदेश लिखते हुए, मुझे अपार गर्व और हर्ष का अनुभव हो रहा है कि हमारी विद्यालय, पत्रिका – प्रतिभा, सृजनशीलता और उपलब्धियों का एक सुंदर प्रतिबिंब है।

यह मंच हमारे विद्यार्थियों और शिक्षकों की आवाज को सम्मानित करता है, उनके सपनों, विचारों और प्रयासों को प्रदर्शित करता है।

जैसे–जैसे आप इन पन्नों को पलटेंगे, मैं आपको, संकल्प और सफलता की कहानियों से प्रेरित होने और अजीवन सीखने, नवाचार करने तथा सहयोग की भावना को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

विद्यारम्भ

विद्यारम्भ

ST. PAUL'S
COLLEGE
MOTILAL
AGRA
काशी विद्यापीठ

St. Paul's Inter College
Happy Independence Day

Welcome to
We Will
Inter College

PAUL'S INTER
MOTILAL NEHRU ROAD, AGRA

ST. PAUL'S INTER COLLEGE
MOTILAL NEHRU ROAD, AGRA

GAND

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

सम्पादकीय

शिक्षा, संस्कार और सृजनशीलता का संगम

प्रिय छात्रगण, अभिभावकगण एवं सम्माननीय पाठकवृन्द,
स्नेह एवं अभिवादन!

हमें अपार हर्ष हो रहा है कि सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज, आगरा की वार्षिक पत्रिका 'पॉलिन पैगाम' का यह नवीन संस्करण आपके समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। यह पत्रिका केवल विद्यालय की उपलब्धियों एवं गतिविधियों का दस्तावेज भर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की सृजनशीलता, चिंतनशीलता और अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम भी है।

शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन करना ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी है।हमारा प्रयास न केवल विद्यार्थियों को पाठ्यक्रमीय शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि उनमें नैतिकता, संस्कार और समाज के प्रति दायित्वबोध भी विकसित करना है। आधुनिक युग में शिक्षा का स्वरूप निरंतर परिवर्तनशील है, और हमारा विद्यालय इन परिवर्तनों को आत्मसात कर नवाचारों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस पत्रिका में विद्यार्थियों के साहित्यिक एवं रचनात्मक लेख, कविताएँ, आलेख और कलात्मक कृतियाँ शामिल हैं, जो उनकी कल्पनाशीलता और बौद्धिक क्षमता का परिचायक हैं। अभिभावकों का सहयोग, शिक्षकों का मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत विद्यालय की सफलता की आधारशिला हैं।

हम आशा करते हैं कि 'पॉलिन पैगाम' आप सभी के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगी और यह पत्रिका हमारे विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता को निखारने हेतु एक मंच प्रदान करेगी।

अंत में, हम विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, विद्यार्थियों और अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग से यह प्रयास संभव हो पाया है।

आइए, शिक्षा और संस्कारों के इस सफर में हम सब मिलकर आगे बढ़ें।

शुभकामनाओं सहित,

विनोद स्वरूप वर्मा

अध्यापक

वार्षिक कार्यक्रमों का विवरण-2024-25

1. **नव सत्र प्रारम्भ** (02.04.2024)

एक शिक्षित छात्र ही समाज व राष्ट्र के निर्माण में सार्थक योगदान दे सकता है। इन्ही उद्देश्यों को ध्यान में रखकर नवीन कल्पनाएं, उत्साह एवं नई शिक्षा नीति के साथ विद्यालय में 02.04.2024 को विशेष प्रार्थना सभा के द्वारा नव सत्र का आगाज़ किया गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जी, प्रधानाध्यापिका जी, शिक्षक गण, छात्र गण एवं सहायक कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

2. **विद्यारम्भ संस्कार** (27.04.2024)

विद्यालय अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव कटिबद्ध हैं। अभिभावकों के समक्ष कक्षा नर्सरी के छात्रों का विनीता मैम, मीनू मैम ने हाथ पकड़कर चावल पर वर्णो को लिखवाकर विद्यारम्भ संस्कार का शुभारंभ किया। नर्सरी कक्षा वह कक्षा है जिसमें बच्चों की शैक्षिक गतिविधियां कराई जाती हैं और प्राथमिक विद्यालय के लिए तैयार किया जाता है।

3. **श्रमिक दिवस** (01.05.2024)

विद्यालय में इस दिन को एक बेहद खास मकसद के साथ मनाया गया हैं। जिसमें कक्षा-12 के

विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के छात्रों के द्वारा टीका एवं माला पहनाकर कर्मचारियों का स्वागत किया गया, साथ ही एक रंगारंग कार्यक्रम के अन्र्तगत लघु नाटिका, सामूहिक गान एवं नृत्य भी छात्रों ने प्रस्तुत किया। प्रधानाचार्य जी के द्वारा कर्मचारियों को उपहार प्रदान किए गये, साथ ही प्रधानाचार्य जी ने अपने संदेश में कहा कि कर्मचारी वर्ग के बिना विद्यालय में कोई भी कार्य पूर्णतः सम्पन्न नहीं हो सकता है और सभी सहायक वर्ग को धन्यवाद भी दिया।

4. करियर सेमिनार (11.5.24)

विद्यालय के प्रधानाचार्य जी ने कक्षा 11 एवं 12 के विज्ञान वर्ग और वाणिज्य वर्ग के छात्रों के लिए करियर सेमिनार का आयोजन कराया। जिसमें छात्रों को बताया गया कि वह कक्षा 12 के उपरान्त किन विषयों का चयन करके, अपनी पढ़ाई एवं करियर को नई ऊंचाईयों तक पहुँचा सकते हैं। ग्रीष्म–कालीन अवकाश में छात्रों के लिए कम्प्यूटर कोर्स को भी करियर सेमिनार में संलग्न किया गया।

5. नवागत प्रधानाचार्य जी का स्वागत एवं पूर्व प्रधानाचार्य जी का विदाई समारोह (16.07.2024)

विद्यालय के लिए यह हर्ष एवं विषाद का दिन था क्योंकि 16.07.2024 को हमारे नवागत प्रधानाचार्य श्रद्धेय फादर संतियागो राज जी को तिलक लगाकर व फूलों की माला पहनाकर उनका स्वागत व अभिनन्दन किया। छात्रों द्वारा गीत, नृत्य एवं शिक्षकों द्वारा सामूहिक गान भी प्रस्तुत किया गया।

आज ही के दिन हमारे पूर्व प्रधानाचार्य श्रद्धेय फादर सजी पालामट्टम जी का स्थानांतरण नोएडा के विद्यालय में हो गया। यह चार वर्ष का समय फादर जी के संरक्षण में कैसे व्यतीत हुआ पता ही नहीं चला। सेन्ट पॉल्स फादर जी को धन्यवाद देता है एवं उनका सदैव अभारी रहेगा। विनोद सर के द्वारा फादर सजी जी को स्मृति चिन्ह भेट किया गया।

6. शुभ पर्व दिवस (25.07-2024)

दिनांक 25.07.2024 को विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर संतियागो राज जी की 'फीस्ट डे' पर विशेष प्रार्थना पूनम मैम द्वारा की गयी साथ ही जैकलीन मैम के द्वारा फीस्ट के विषय में छात्रों को अवगत कराया गया। प्रधानाचार्य जी को गुलदस्ता एवं कार्ड देकर बधाई दी गयी।

7. छात्र परिषद का गठन (27.0724)

विद्यालय के अनुशासन व संचालन के लिए दिनांक 27.07.2024 को प्रधानाचार्य जी द्वारा छात्रों को शपथ दिलायी गयी, कि वे पूर्ण निष्ठा से अपने विद्यालय में लगन ईमानदारी, सहयोग भाव के साथ वर्ष भर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करेगें । प्राइमरी, जूनियर एवं सीनियर के चुने हुए छात्रों को ध्वज बैज आदि प्रबन्धक जी, प्रधानाचार्य जी, प्रधानाध्यापिका जी द्वारा प्रदान किए गये। शिक्षकगण एवं अभिभावकों की उपस्थिति में छात्र परिषद का गठन हुआ।

8. कविता प्रतियोगिता (29.07.24)

अर्न्तवर्गीय कविता पाठन हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में छात्रों द्वारा किया गया। कविता प्रतियोगिता छात्रों की अभिव्यक्ति क्षमता और रचनात्मकता को विकसित करने का एक माध्यम है।

9. तत्क्षण प्रतियोगिता (30.07.24)

छात्रों के मानसिक विकास एवं स्मरण शक्ति को

निखारने हेतु तत्क्षण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तत्क्षण में किसी दिए गए विषय पर तुरंत अपने विचारों को शब्दों में पिरोना हैं। प्रधानाचार्य जी एवं प्रधानाध्यापिका जी निर्णायकगण के रूप में उपस्थित रहे।

10. नमन तुम्हे राष्ट्र नामक रैली (13.8.24)

इस रैली को सभी विद्यालयों द्वारा निकाला गया। इस रैली में हमारा विद्यालय सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज भी शामिल रहा। यह रैली नगर निगम से शहीद स्मारक तक निकाली गई जिसमें हमारे विद्यालय के छात्रों के साथ विद्यालय की अध्यापिका विभा मैम और विशाल सर भी इस रैली में मौजूद रहे।

10. स्वतंत्रता दिवस (15.8.2024)

15 अगस्त, 2024 को सेन्ट पॉल्स के प्रांगण में विद्यालय के प्रधानाचार्य जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया और तिरंगे को सलामी देने के लिए चारों हाउस की टोलियों ने परेड प्रतियोगिता हुई, साथ ही देशभक्ति के जज़्बे से भरे गीतो के द्वारा सामूहिक गान का भी आयोजन किया गया। अन्त में एम. के गांधी हाऊस द्वारा नाटक का मंचन किया गया। जिसका शीर्षक 'चन्द्रशेखर आजाद' के जीवन पर आधारित था, जोकि अति उत्तम था, साथ ही इस हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

11. राखी मेकिंग प्रतियोगिता (17.8.24)

रक्षाबन्धन पर्व के अवसर पर विद्यालय मे राखी मैकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने सुन्दर-सुन्दर राखी बनाई।

12. शिक्षक दिवस (05.09.24)

शिक्षक दिवस इस वर्ष भी भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर प्रधानाचार्य जी द्वारा श्रद्धा सुमन समर्पित कर दीप प्रज्वलित किया गया। छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया अन्त में प्रधानाचार्य जी द्वारा प्रेरणादायक विचारों को व्यक्त किया गया।

13. अर्द्धवार्षिक परीक्षा (23.09.24)

अर्द्धवार्षिक परीक्षा शैक्षणिक वर्ष के बीच में आयोजित की जाने वाली परीक्षा होती है। इसका उद्देश्य मध्यावधि मूल्यांकन करना और प्रतिक्रिया प्रदान करना है, ताकि छात्र अपने प्रदर्शन को वापस देख सकें और अंतिम परीक्षाओं के लिए उपस्थित होने तक सुधार कर सके। इसमें परीक्षा का क्रम मौखिक, लिखित एवं प्रयोगात्मक रहा।

14. आर्च विशप जी का शुभ पर्व दिवस (29.09.24)

आगरा के आर्च विश्प महाधर्मप्रान्त के महाधर्माध्यक्ष परम श्रद्धेय डॉ. राफी मंजरी जी को विशप हाउस में प्रधानाचार्य जी, प्रधानाध्यापिका जी एवं शिक्षकों ने शुभ पर्व दिवस की शुभकामनाएं दी एवं फूलों का गुलदस्ता भेट किया।

15. महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती (02.10.24)

इस पावन पर्व पर विद्यालय में प्रधानाचार्य जी, प्रधानाध्यापिका जी द्वारा गाँधी जी

एवं शास्त्री जी के चित्रों पर श्रद्धा सुमन समर्पित कर दीप प्रज्वलित किया गया। इस पावन दिन पर हमारे विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक शर्मा सर जी के द्वारा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री श्री के आदर्शो एव संघर्ष से सिद्धि तक की प्रेरणादायक यात्रा को छात्रों के समक्ष व्यक्त किया।

साथ ही आज ही के दिन सिस्टर डॉरोथी जी ने अपने जन्मदिवस पर केक काटा और समस्त शिक्षकगण ने उन्हें शुभकामनाएं दी ।

16. प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी जी का जन्मोत्सव (11.10.2024)

विद्यालय में सिस्टर ग्रेसी जी के जन्मोत्सव कार्यक्रमों को छात्रों द्वारा सामूहिक गान, नृत्य को प्रस्तुत किया गया साथ सिस्टर जी के द्वारा केक काटा गया और बहुत सारी शुभकामनाएं छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा सिस्टर जी को दी गयी।

17. आगरा रेनबो सांस्कृतिक उत्सव प्रतियोगिता (17.10.24)

सेन्ट पीटर्स कॉलेज में विगत पाँच वर्षो से आगरा रेनबो सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज के साथ-साथ अन्य शहरों व आगरा के विद्यालयों ने भाग लिया। जिसमें लगातार तीसरी बार मीनू लाज़रस मैम के दिशा निर्देशन में सेन्ट पॉल्स इण्टर कालेज ने सीनियर वर्ग में समूह नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

18. क्रॉस कंट्री, दौड प्रतियोगिता (19.10.24)

क्रॉस कंट्री रेस छात्रों के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने का एक उत्तम तरीका है। इस दौड़ प्रतियोगिता में प्राइमरी, जूनियर व सीनियर वर्ग के छात्रों ने अधिक से अधिक संख्या में भाग लिया। इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्रबन्धक फादर ऑलविन पिंटो जी और प्रधानाचार्य फादर संतियागो राज जी ने किया। इस प्रतियोगिता का संचालन सिस्टर ग्रेसी जी के द्वारा सम्पन्न हुआ।

19. कला एवं हस्तकला प्रतियोगिता (28.10.24)

हमारे विद्यालय में कला एवं हस्त कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने एवं हमारे छात्रों ने अपनी बहु-मुखी प्रतिभा को कला और हस्तकता के माध्यम से चित्रों द्वारा दर्शाया।

20. दीपावली उत्सव (31.10.24)

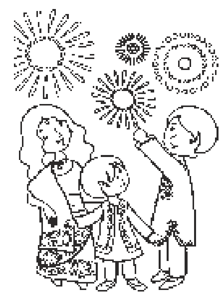

हमारे विद्यालय में दीपावली पर्व पर उत्सव का आयोजन किया गया इस पर्व का शुभारम्भ हमारे विद्यालय के प्रधानाचार्य जी ने फुलझड़ी को जलाकर किया। इसके बाद छात्रों ने फुलझड़ी जलाकर यह पर्व मनाया।

21. भूतपूर्व छात्रों से फुटबॉल टूर्नामेंट (6.11.2025)

हमारे विद्यालय में दिनाँक 6.11.2025 को एक फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया इसमें हमारे विद्यालय के भूतपूर्व छात्रों व वर्तमान छात्रों ने भाग लिया। इस फुटबॉल टूर्नामेंट में हमारे विद्यालय के भूतपूर्व छात्र विजयी रहे।

22. लीनुस लाज़रस फुटबॉल टूर्नामेंट (08.11.24)

सेन्ट पॉल्स में तीन दिवसीय लीनुस लाज़रस मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट सीजन-3 खेला गया। इसमें आगरा के विद्यालयों की 15 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच में सेंट पीटर्स कॉलेज की टीम 3-0 से विजेता रही, वही सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज की टीम रनर अप रही मुख्य अतिथि पूर्व महाधर्माध्यक्ष डॉ. अल्बर्ट डिसूजा जी, फादर इग्नेशियस मिरांडा जी, प्रबन्धक फादर अल्विन पिंटो जी, प्रधानाचार्य फादर संतियागो राज जी व प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी जी एवं स्पोर्ट्स इंचार्ज डेरिक पीटर सर के मार्गदर्शन में अध्यापकों व छात्रों के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

23. फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता (12.11.24)

कक्षा नर्सरी से तीसरी कक्षा तक के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। इन छात्रों ने विभिन्न प्रकार की पोशाकों को धारण कर के विभिन्न सन्देश देने का उत्तम प्रयास किया ।

24. बाल दिवस (14.11. 24)

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी बाल दिवस का आयोजन प्रधानाचार्य जी एवं प्रधानाध्यापिका जी के द्वारा जवाहर लाल नेहरू जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन समर्पित कर कार्यक्रम का प्रारम्भ किया गया जिसमें छात्रों ने एकल नृत्य, गान इत्यादि की रंगारंग प्रस्तुति दी तथा समस्त शिक्षण गण भी उपस्थित रहे।

25. खेल सप्ताह एवं वार्षिक खेल दिवस समारोह (18.11.24)

विभिन्न प्रकार के सामूहिक खेलों में छात्रों ने भाग लिया जिसमें छात्रों ने किक्रेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, जेवलिन थ्रो, शॉटपुट, लॉग जंप, हाई जंप इत्यादि खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्पोटर्स टीचर डेरिक सर के निर्देशन में किया। साथ ही वार्षिक खेल दिवस का हमारे विद्यालय में भव्य आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि अति श्रद्धेय आर्च विशप रॉफी मंजरी जी ने गुब्बारों को उड़ाकर समारोह का उद्घाटन किया। जूनियर एवं सीनियर छात्रों ने 100, 200 मीटर की दौड प्रतियोगिता, साथ ही 400 मीटर की रीले रेस में भी छात्रों ने भाग लिया प्रधानाचार्य जी द्वारा छात्रो को प्रशस्ति पत्र एवं पदक प्रदान किये गए।

26. कविता, निबन्ध, संस्मरण, टिप्पणी एवं कहानी प्रतियोगिता (19.12.24)

इस प्रतियोगिता में कक्षा-6 से कक्षा-12 तक के छात्रों ने विभिन्न विद्याओं के अर्न्तगत अपनी-अपनी कक्षाओं के अनुरूप लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया।

27. क्रिसमस उत्सव (20.12.24)

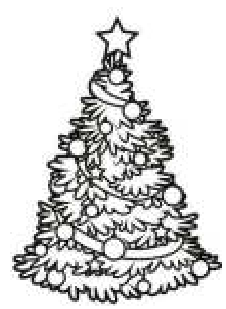

प्रभु ईसा का जन्मोत्सव का नाटय् रुपान्तरण गीत एवं नृत्य के माध्यम से छात्रों ने सुन्दर प्रस्तुति दी साथ ही अन्त का सेन्टा क्लॉज के आगमन ने छात्रों में हर्षोल्लास से भर दिया है। प्रधानाचार्य जी, सिस्टर जी समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण भी मौजूद थे।

28. विशेष प्रार्थना (22.1.25)

कक्षा 10 व 12 के छात्रों के लिए विद्यालय में विशेष प्रार्थना का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों से मोमबती जलवाकर। सभी धर्मो के शिक्षकों के द्वारा सभी धर्मा से सम्बन्धित पाठों को पढ़ा गया और अन्त में प्रधानाचार्य श्रद्धेय फादर संतियागो राज जी के द्वारा बोर्ड की परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को प्रेरणादायक विचारों से अवगत कराया।

29. गणतन्त्र दिवस समारोह (26.1.25)

76 वां गणतन्त्र दिवस पर विद्यालय में प्रधानाचार्य जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। सभी छात्र, शिक्षक व कर्मचारीगण उपस्थित थे। तत्पश्चात् निष्कलंक माता महागिरजाघर के प्रांगण में समस्त कैथलिक विद्यालयों के छात्रों ने अपना नृत्य नाटिका के माध्यम से सुन्दर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वहाँ पर उपस्थित मुख्य अतिथि श्रद्धेय आर्च विशप स्वामी रॉफी मंजरी जी के प्रेरणादायक शब्दों को वहाँ उपस्थित सभी ने आत्मसात किया।

30. सद्भावना आगरा इकाई (30.1.25)

सेण्ट पीटर्स कॉलेज में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर विश्व शान्ति हेतु सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। साथ ही निबन्ध प्रतियोगिता का परिणाम भी घोषित किया गया था। जिसमें सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज के अतिरिक्त अन्य विद्यालय एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्रों ने भाग लिया था। कक्षा-9 के छात्र वरुण चौटिला को उत्तम निबन्ध लिखने पर प्रमाण पत्र अतिश्रद्धेय डा. अल्बर्ट डिसूजा जी द्वारा दिया गया। निबन्ध का शीर्षक- "मानवीय विश्वबन्धुत्व हेतु सवैधानिक अधिकार एवं कर्तव्य।" था।

31. कक्षा-12 वीं के छात्रों का विदाई समारोह (5.2.25)

विद्यालय में कक्षा-12 के छात्रों का विदाई समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कॉलेज प्रबन्धक फादर आल्विन पिन्टो थे। कक्षा 11 के छात्रों ने टीका लगाकर सभी का स्वागत किया साथ ही छात्रों ने कक्षा 12 के छात्रों को शुभकामनाएं दी। गायन, नृत्य इत्यादि कार्यक्रमों को प्रधानाध्यापिका सिस्टर जी व कक्षा 11 के शिक्षकों के निर्देशन में पूर्ण हुआ। प्रबन्धक जी के प्रेरणाक्षयक शब्दों ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया साथ ही प्रधानाचार्य फादर संतियागो राज जी ने छात्रों को उनकी क्षमताओं का एहसास कराया।

श्रीमती मीनू डी. लाज़रस
(अध्यापिका)

COLLEGE CAPTAIN'S MESSAGE

We usually remember the first day of school because it is a new experience for every student. It is the first time we step out from the comfort of our home as a kid, so it will be memorable for all the students.

When I came to school for the first time, I was crying and holding my mother's hand. I spent 14 years of my life in this school and it is a matter of great pride for me that I was appointed as the College Capitain of St. Paul's Inter College.

As the college captain, I had the privilege of leading by example and representing my peers in various school matters. I worked closely with both teachers and students to ensure a positive environment, supported my classmates and

helped organize key events. This Experience helped me to grow personally and develop a strong. Sense of responsibility and leadership. It was truly an honour to serve my school and contribute to its community

Thank You.!

Gaurvit Chauhan
12th-B (Commerce)

कविता

समाज का दर्पण

समाज का दर्पण, धूमिल हो रहा,
अंतर का दश, बढ़ रहा।
गरीबी की छाया, बढ़ती जा रही,
असमानता की खाई, चौड़ी होती जा रही।
शिक्षा का दीप, मंद पड़ रहा,
बाल प्रतिज्ञा का दंश बढ़ रहा।
स्वास्थ्य का संकट गहरा होता जा रहा,
स्वच्छता का अभाव, बढ़ता जा रहा।
प्रकृति का कोप बढ़ रहा,
पर्यावरण का संकट, गहरा होता जा रहा।
संघर्ष का दौर, चल रहा है,
नया भारत, उभर रहा है।
नया भारत, स्वच्छ भारत,
ज्ञान का प्रकाश, जगमगाता भारत
नारी शक्ति का उदय नयी कान्ति,
नया भारत, उभर रहा है।
आओं मिलकर, करे प्रयास
सृजन का भारत, उज्जवल भविष्य ।

By Mohd Shoaib
Class: 8th-B

अभिभावकों की कलम से

सेंन्ट पॉल्स स्कूल के लिए हमारा अनुभव

सेंन्ट पॉल्स विद्यालय मुझे बहुत अच्छा लगा है। मैंने इस विद्यालय के बारे में बहुत सुना था लेकिन मेरे बच्चे दूसरे विद्यालय में पढते थे। मैंने वहाँ से निकाल कर अपने बच्चों को इस विद्यालय में एडमीशन कराया क्योंकि विद्यालय हिन्दी मीडियम होते हुए इंग्लिश मीडियम स्कूल जैसा ही है। यहा बच्चों पर बहुत ध्यान दिया जाता है अनुशासन में रहना बच्चों को सिखाया जाता है पढ़ाई पर सभी अध्यापिकाएं बहुत ध्यान देती हैं विद्यालय भी बहुत बड़ा है बच्चों के खेलने की भी सुविधा है तथा पढ़ाई के साथ-साथ योग अभ्यास, खेल-कूद प्रतियोगिताऐं, संगीत आदि सब सिखाया जाता है यहाँ सभी का साफ-सफाई का भी ध्यान रखा जाता है विद्यालय के प्रधानाचार्य जी तथा अध्यापिकाओं का मैं बहुत आभारी हूँ कि मेरे बच्चे आपके विद्यालय में आये है तब से बहुत होशियार हो गये हैं। टेस्ट तथा परीक्षा में बहुत अच्छे अंक लाते हैं। इसी के साथ मैं आपका दिल से धन्यवाद करता हूँ।

अभिभावक
विनोद कुमार
पुत्र- प्रियांशु (3rd-B)

सेन्ट पॉल्स की खासियत

मेरा बेटा चिराग सेजवानी जो कि सेन्ट पॉल्स इन्टर कालेज, मोतीलाल नेहरु रोड़, आगरा में कक्षा 8 का छात्र है, मैं स्कूल के प्रबंधन और शिक्षण विधियों के बारे में कुछ विचार रखना चाहता हूँ।

1. स्कूल के पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों से हम प्रभावित है।
2. स्कूल के कार्यक्रम अच्छी तरह से योजनाबद्ध होते है

और यह बच्चे को पाठ्य पुस्तकों से परे सोचने में मदद करते है।

3. मैं स्कूल के प्रबन्धन को उनके प्रयासों के लिये बधाई देना चाहता हूँ।
4. स्कूल के शिक्षकों के मार्गदर्शन से छात्र आत्मविश्वासी और सक्षम बनने में सफल होते हैं।
5. बच्चों के मानसिक विकास में स्कूल और स्कूल के शिक्षकों का अहम योगदान है।
6. स्कूल के द्वारा बच्चों को अवधारणाएँ समझाने और उन्हें स्पष्ट करने के तरीके की हम सराहना करते हैं।
7. हम स्कूल के प्रबन्धन और शिक्षकों द्वारा उनके दयालु समर्थन के लिये हम धन्यवाद देते हैं।

अभिभावक

हेमन्त सेजवानी

चिराग सेजवानी

8th-A

भरोसा एवं विश्वास

मेरा पुत्र एन्सिल कक्षा नौ वीं-(अ) में, सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज स्कूल में पढ़ता है।

हमें इस स्कूल पर यकीन ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है अर्थात हम यह मानते हैं कि इस स्कूल की अध्यापक मण्डली के सभी अध्यापक-अध्यापिकायें अपना पूरा समय, अपने काम को छोड़कर बच्चों की पढ़ाई, उनकी मानसिकता एवं उन्हें सही राह पर चलना बताते हैं। स्कूल में सभी छात्र मन लगाकर तथा ध्यानपूर्वक और मनोरंजन के साथ पढ़ा करते हैं।

इस स्कूल में समय-समय पर पढाई करने के साथ-साथ स्कूल में प्रतियोगिताएँ, महापुरूषों की जयंती का विवरण देना, त्योहारों के बारे में जानकारी देना एवं देशभक्ति को नाटक एवं गीतों द्वारा प्रदर्शित किया जाता है।

स्कूल के प्रत्येक बच्चे को अध्यापक खेल-कूद, रोमांचक साधन अथवा विकासशील साधनों का प्रभाव डालते हैं।

स्कूल के बच्चे एक दूसरे के साथ प्रेम की भावना से रहते हैं तथा बड़ों से आदर-सत्कार से ही बात करते हैं। हम भरोसा एवं विश्वास के साथ यह मानते हैं कि स्कूल का प्रत्येक व्यक्ति बच्चों की भलाई एवं उनकी सुरक्षा के बार में ही सोचता है, कहते हैं स्कूल एक मन्दिर होता है परन्तु यह एक पवित्र एंव सुरक्षित स्थल भी है।

हम धन्यवाद करते हैं जिनके सहारे से यह स्कूल की डोर बधीं हुई है। और धन्यवाद करते है उनका जो बच्चों को विद्या का महत्व सिखाते है।

अभिभावक

योगेश

ऐन्सील

9th-B

सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज आगरा

यह विद्यालय पढ़ाई की दृष्टि से बहुत अच्छा है। इसमें समय-समय पर सभी Activity करायी जाती है और सभी शिक्षको का व्यवहार भी बहुत अच्छा है। सभी शिक्षक बच्चों का पढ़ाई के साथ-साथ, प्रत्येक कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। स्कूल में ही बच्चा, सीखता है, कि उसे एक अच्छा नागरिक बनना है और अपने लक्ष्यों तक कैसे पहुँचना है। स्कूल का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है "बचपन"। स्कूल के अन्दर सभी सुविधाओं की व्यवस्था भी उत्तम है।

धन्यवाद

अभिभावक

सपना शर्मा

रवि शर्मा (V-B)

The Second Home of A Child!

The first teacher of any child is his mother. After leaving the lap of the mother the second home of a child is school. A school is a place where students are taught the fundamentals of life as well as how to grow and survive. Three things are required for a good institution are well qualified teachers, good premises and healthy environment. My child's school St. Paul's always fulfils all the requirements up to the mark which a child needs. This institution has a very glorious history in itself. I manage my child's lunch box according to his health. The teachers always observe the lunch box and encourage my kid to bring such kind of lunch regularly. This shows the humbleness and cooperative nature of the teachers of this institution. I am feeling above the sky to get my child admitted in this institution.

Parents:
Haidar Hussain

Salman Hussain
Class Nursery

कहानी

तीन दोस्तों की कहानी

ज्ञान, धन, विश्वास ये बहुत अच्छे दोस्त थे। तीनो में प्यार भी था। मगर किसी वजह से तीनों को अलग होना पड़ा। तब तीनों ने एक दूसरे से सवाल पूछा की हम लोग अब कहाँ मिलेंगे। तो ज्ञान ने कहा में मन्दिर, मस्जिद, और किताबों में मिलूंगा। और फिर धन ने कहा में अमीरों के घर मिलूंगा। विश्वास चुप रहा वह कुछ नहीं बोला। तभी ज्ञान और धन ने विश्वास से पूछा की तुम कहाँ मिलोगे तो विश्वास रोते हुए बोला की "मैं एक बार चला गया तो वापस कभी नहीं आऊँगा।" ये छोटी सी कहानी हमें यह सिखाती है। की ज्ञान, धन एक बार चले गये तो हम उसे फिर प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन विश्वास एक बार टूट जाए तो कभी वापस नहीं आएगा। यदि हम पर कोई भरोसा या विश्वास करता है, तो हमें उसके विश्वास को तोड़ना नहीं चाहिए।

धन्यवाद

Mohd. Asad Khan
Class 7^{th} B

सच्ची मित्रता

एक जंगल में दो गहरे मित्र रहते थे। वे बचपन से ही साथ खेलते, पढ़ते बड़े हुए थे। एक का नाम-राजू और दूसरे का नाम - विनोद था। एक दिन राजू और विनोद बातें करते-करते जंगल के गहरे भाग में पहुँच गए थे और उनको वहाँ पर एक भालू नजर आया। विनोद बिना सोचे विचारे पेड़ पर चढ़ गया। और राजू को वही पर छोड़ दिया। राजू पेड़ पर चढ़ना नहीं जनता था। तो जमीन पर लेटकर साँस रोक के मरने की नाटक करने लगा। भालू धीरे-धारे उसके पास आया और उसके कान पर सूंघने लगा और उसको मरा हुआ समझकर, वहाँ से चला गया। तब विनोद पेड़ से नीचे उतरा और विनोद से पूछा की भालू ने तुम्हारे कान में क्या कहा तो राजू ने बोला उसने बोला की सच्चे मित्र हमेशा मुसीबत में साथ देते है। इस बात पर विनोद शर्मिंदा हो गया तथा उसे अपनी गलती का एहसास हुआ।

शिक्षा- हमें इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है की

हमें हमेशा दोस्तों का मुसीबत में साथ देना चाहिए।

फराज हुसैन
6th-A

समय की कीमत

एक गाँव में एक बूढा आदमी रहता था। वह अपने पुत्र से बहुत परेशान था, उसका पुत्र पूरा दिन गाँव में घूमता रहता था। एक दिन बूढ़े ने अपने पुत्र से कहा जाओ बेटा घर में अलमारी के अन्दर एक घड़ी रखी है उसे निकालकर लाओ बेटा गया और घड़ी को निकालकर ले आया। बूढ़े ने उससे कहा तुम बाजार जाओ और वहाँ जितने भी लोग हों, उन सबसे इस घड़ी की कीमत पूछना। लड़का बाजार गया उसने सभी से पूछा तो किसी ने रू. 500, किसी रू.1000 तो किसी ने रू. 800 बताए। सभी ने घड़ी की कीमत अलग अलग बताई और कई ने एक जैसी, लड़का घर जाकर पिता से कहता है कि पिताजी मैंने सभी से पूछा सभी ने घड़ी की कीमत अपने हिसाब से अलग-अलग बताई। पिता ने कहा जा और इसे वापस रख दे। उसने घड़ी को वापस रख दिया। अगले दिन फिर पिता ने कहा- घर में अलमारी में से घड़ी निकालकर ला वह गया और घड़ी-को बाहर लाया पिता ने कहा इस घड़ी के अन्दर चल रहे समय की कीमत पूछकर आ। उसे कुछ समझ नहीं आया और वह बाजार जाकर सभी से पूछने लगा, लोगो ने समझा इस लड़के की मानसिक स्थिति सही नहीं है कुछ मजाक उड़ाने लगे और कुछ ने भागा दिया। अतं में उसे एक बूढ़ा आदमी दिखा जो व्यवसाय में बहुत व्यस्त था। वह लड़के की बात को सुनते ही समझ गया। कि वह क्या कह रहा है उसने अपना थोड़ा समय देकर उससे कहा कि बेटा तुम जिस समय की कीमत पूछ रहे हो इसकी कोई कीमत नहीं लगा सकता। तुम करोड़ो रूपये देकर भी अपने जीवन का एक भी पल नही खरीद सकते। समय की एक अच्छी बात है और एक बुरी बात है, बुरी बात यह है कि समय बीत जाता है और अच्छी बात यह है कि यह आप पर निर्भर करता है कि आप समय किस प्रकार बिता रहे हैं इसलिए बेटा समय को कभी नष्ट मत करो क्योंकि एक बार जो समय चला जाता है वह कभी वापस नहीं आता है।

शिक्षा- समय को कभी नष्ट नहीं करना एक बार जो समय चला जाता है वह कभी वापस नहीं आता।

Kartik Sharma
7-B

झूठ का फल

एक रामपुर गाँव में विष्णु नाम का एक चरवाह रहता था। वह रोज जंगल मे बकरियों को चराने ले जाता था। वह बहुत ही मजाक करता, एव झूठ बोलता था। एक दिन वह बकरियों को चराने जंगल ले गया तो उसने सोचा कि गाँव वालो को डराना चाहिए। फिर वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा- "बचाओ-बचाओ" यहाँ मेरी बकरियों को शेर खा जाएगा। "बचाओ-बचाआ" सभी गाँव वाले लट्ठ-लेकर दौड़े चले आए। उन्होंने वहाँ देखा कि यहाँ तो कोई शेर नहीं है। और यहाँ बकरियाँ भी सुरक्षित है। वह लोग विष्णु से पूछने लगे कि कहाँ है शेर तब वह बोला अरे-मैं तो मजाक कर रहा था। तभी सभी गाँव वालो को गुस्सा आया और वह विष्णु पर चिल्लाने लगा और गाँव वाले वापस चले गए। तभी दूसरे दिन वह फिर से बकरियों को चराने जंगल ले गया तभी वहाँ शेर आ गया। और वह चिल्लाने लगा "बचाओ-बचाओ" शेर मुझे और मेरी बकरियों को खा जाएगा। तभी सभी गाँव वाले सोचने लगे, कि यह हमें फिर से बेवकूफ बना रहा होगा, तभी सभी गाँव वाले ने बचाने से इंकार कर दिया और शेर विष्णु और बकरियों को खा गया।

शिक्षा : इस कहानी से हमे यह शिक्षा मिलती हैं कि हमे कभी-भी झूठ नहीं बोलना चाहिए।

Nishant
8th-A

करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

"करत करत अभ्यास से जड़मति होत सुजान,
रस्सी आवत जात ते, सिल पर परत निशान"

अर्थात

कुएँ से पानी खीचते समय रस्सी पत्थर पर गहरा निशान डाल देती है। इसलिए अभ्यास वह मूलमंत्र है। जिससे मुर्ख भी विद्वान हो जाता और विद्वान और अधिक कुशल हो जाता है। अभ्यास और परिश्रम का मार्ग अपनाकर मनुष्य सफलता की सीढ़ियों को चढ़ता जाता है। अभ्यास मनुष्य के गुणों को विकसित करता है।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि मनुष्य ने अभ्यास के बल पर असंभव को भी संभव कर दिखाया है। अर्जुन तथा एकलव्य ने निरंतर अभ्यास और परिश्रम के कारण ही महान धनुर्धर बने ।

वाल्मीकी सतत् अभ्यास के कारण ही आदि कवि वाल्मीकी बने।

हॉकी के प्रसिद्ध खिलाड़ी ध्यान चन्द्र निरंतर अभ्यास के कारण ही हॉकी के जादूगर बन सकें।

जो लोग परिश्रम से मुँह मोड़ते हैं, सफलता उनसे कोसों दूर रहती है।

संस्कृत में एक कहावत है–

अनभ्यासे विषं विद्या

अर्थात अभ्यास के बिना विद्या विष के समान होती है। इसलिए विद्यार्थी के जीवन में इसका महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। जो विद्यार्थी आलस्य के कारण परिश्रम से मुहँ मोड़ते है। वह अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाते। जीवन के सभी क्षेत्रों में चाहे वह खेल–कूद हो या पढाई, संगीत हो या कला कौशल निरतंर अभ्यास से ही निपुणता प्राप्त होती है। अभ्यास न केवल व्यक्ति बल्कि समाज व देश के उत्थान का मूलमंत्र है। निरंतर अभ्यास व परिश्रम के कारण ही सफलता सम्भव है। अत: इससे हमें पीछे नहीं हटना चाहिए।

धन्यवाद !

Siddharth
9th-B

निबन्ध

युवाओ के भविष्य हेतु मार्गदर्शन के रूप में भारतीय संविधान

भारतीय संविधान, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, देश का सर्वोच्च कानूनी दस्तावेज है। यह न केवल भारत की राजनैतिक और कानूनी प्रणाली का आधार है, बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए एक मार्गदर्शक भी है। विशेष रूप से युवाओ के संदर्भ मे, भारतीय संविधान उनके अधिकारी, कर्तव्यों और भविष्य के निर्माण के लिए महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश प्रदान करता है। यह संविधान युवा पीढ़ी को एक सक्षम नागरिक बनाने और उनके समग्र विकास के लिए एक ठोस ढाँचा प्रस्तुत करता है।

1. मौलिक अधिकारों के माध्यम से युवाओं का सशक्तिकरण :

भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार (Fundamental Rights) युवाओं को उनके जीवन में स्वतंत्रता और समानता की गारंटी देते हैं। मौलिक अधिकारों का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को उनके बुनियादी आधिकारों की सुरक्षा करना है, जो युवाओ के विकास के लिए आवश्यक है।

i) **अनुच्छेद 14:** कानून के समक्ष समानता का अधिकार युवाओं को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर प्रदान करता है।

ii) **अनुच्छेद 15:** जाति, धर्म, लिंग, या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव को निषेद्ध करता है, जिससे युवाओ को समान अवसर मिलते हैं।

iii) **अनुच्छेद 19:** बोलने और अभिव्याक्ति की स्वतंत्रता, शंतिपूर्ण सभा का अधिकार, और संघ बनाने की स्वतंत्रता जैसे अधिकार, युवाओं को अपनी आवाज उठाने और समाज में सक्रिय भागीदारी का अवसर प्रदान करते है।

iv) **अनुच्छेद 21ए:** शिक्षा का अधिकार 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी देता है, जिससे युवाओं के शैक्षणिक विकास को सुनिश्चित किया जाता है।

2. मौलिक कर्तव्यों के माध्यम से जिम्मेदारी का बोध :

युवाओं को केवल अधिकारों का उपभोक्ता नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके प्रति जिम्मेदार भी होना चाहिए। अनुच्छेद 51 ए के तहत मौलिक कर्तव्य, युवाओं को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरुक करते हैं। ये कर्तव्य उन्हे संविधान का पालन करने राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करने, सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करने और सामाजिक समरसता का बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करते हैं।

3. नीति निर्देशक तत्व और युवाओं का कल्याण:

भारतीय संविधान के नीति निर्देशक तत्व (Directive Principles of State Policy) राज्य को यह निर्देश देते है कि वह समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गो के कल्याण के लिए कदम उठाए। ये तत्व युवाओं के कल्याण के लिए विभित्र सामाजिक और आर्थिक नीतियो को प्रोत्साहित करते हैं।

i) **अनुच्छेद 39:** राज्य से अपेक्षा करता है कि वह नागरिकों, विशेषकर बच्चों और युवाओं को उनकी आयु और क्षमता के अनुसार स्वस्थ विकास के लिए उचित संसाधन प्रदान करें।

ii) **अनुच्छेद 41:** काम, शिक्षा और सार्वजनिक सहायता के अधिकार की बात करता है, विशेष रूप से बेरोजगारी , वृद्धावस्था और बीमारी के मामलों में।

निष्कर्ष : भारतीय संविधान युवाओं के लिए न केवल एक कानूनी दस्तावेज है, बल्कि एक मार्गदर्शक भी है जो उन्हें उनके आधिकारों और कर्तव्यो के प्रति जागरुक करता है यह उन्हें एक बेहतर नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है और उनके समग्र विकास के लिए एक ठोस ढाँचा प्रस्तुत करता है। संविधान के विभित्र अनुच्छेद और आधिनियम युवाओं के अधिकारों की सुरक्षा, उनके कर्तव्यों की जिम्मेदारी, और समाज में उनकी सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करते हैं।

Rohit Rathore
11th-B

जीवन में सफलता और असफलता

प्रस्तावना– जीवन में सफलता और असफलता से आशय जीवन में कठिन परिश्रम करने से है। यदि कोई व्यक्ति जीवन में कठिन परिश्रम करता है, तो उसे अपने जीवन में मीठा फल प्राप्त होता है। यदि कोई व्यक्ति प्रारंभ से ही कठिन परिश्रम नहीं करता है तो उसे अपने जीवन में कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।

जीवन में सफलता का महत्व– हमें अपने जीवन में समय का पालन करना चाहिए। यदि हम अपने समय का हमेशा सद्उपयोग करेगें तथा किसी भी कार्य को समय पर करते हैं। तो वह जीवन में सफलता प्राप्त करने को पहली सीढ़ी

है। यदि कोई व्यक्ति समय का पालन नहीं करता है तथा उसका दुरूपयोग करता है। तो वह समय को व्यर्थ करता है। समय तथा शिक्षा का अनुसरण यदि हम सही ढंग से करें। तो हमारे जीवन में सफलता का अनुभव अग्रसर होगा। इससे प्रतीत होता है- "समय बलवान हैं" तथा "समय एवं शिक्षा हमारे जीवन में सफलता को प्राप्त करने का मार्ग है। "यदि हम सभी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के आदर्श पर चलें तब हम एक सच्चे, नागरिक भी बन सकते हैं। हमें हमेशा दूसरों की मदद करना चाहिए। हमें हमेशा कार्यो के प्रति संलग्नता दिखानी चाहिए।

हमें हमेशा जीवन में प्रयास करना चाहिए –

इससे हमारा आशय यह है कि हमें अपने जीवन में कभी हार नहीं माननी चाहिए। यदि हम किसी कार्य को करने में असफल रहते हैं, तो उस कार्य को करने का बार-बार प्रयास करना चाहिए। चाहे कितनी भी बड़ी मुसीबत हमारे जीवन में क्यों नहीं आ जाए, लेकिन हमें उस परिस्थिति में घबराना नहीं चाहिए। हमें अपने ऊपर भरोसा करना चाहिए, कि हम किसी भी कार्य को कर सकते हैं। उस परिस्थिति में हमें अपनी सोच-स्मृति आदि पर भरोसा करना चाहिए। इस प्रकार से हम अपने जीवन में सफलता को प्राप्त कर सकते हैं। हम चाहे अपने जीवन में हार क्यों न जाए, लेकिन हमें अपने ऊपर भरोसा तथा उस कार्य को करने का बार-बार प्रयास एवं कठिन परिश्रम से हम एक दिन जीत भी जाते हैं। "हमें अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बनानी चाहिए।" जीवन में सफलता प्राप्त करने का एकमात्र साधन कठिन परिश्रम ही है।

Naitik Sharma
Class 10th-A

मानवीय विश्व "बधुत्व" हेतु सवैधानिक अधिकार एवं कर्तव्य

यह लेख मानवाधिकारों के विकास, उनके महत्व और उनके संरक्षण के लिए कर्तव्यों की भूमिका पर प्रकाश डालता है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों से लेकर मानवाधिकारों की घोषणा तक, लेख मानवाधिकार आधुनिक मानवाधिकार की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का पता लगाता हैं। लेख में यह तर्क दिया गया है कि अधिकारों का पहला कर्तव्य है कि कर्तव्यों का उचित निर्वाह सभी के लिए अधिकारों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

लेख में जगत में मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता के विकास पर चर्चा की गई है, जिसमें अमेरिकी और फ्रांसीसी क्रांतियों और प्रथम विश्व युद्ध की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (1948)और दो अंतर्राष्ट्रीय संधियों (1966)में महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है।

लेख में यह भी तर्क दिया गया है कि मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए कर्तव्यबोध महत्त्वपूर्ण है। व्यक्ति के अस्तित्व की गरिमा, "सर्वे भवन्तु सुखिन:" की संस्कृति मानवतावादी राज्यों की समझ और उन तत्वों की पहचान जो मानवाधिकारों का उल्लंघन करते है, ये सब कर्तव्यबोध को बढ़ावा देने में योगदान देते हैं। भारतीय संविधान द्वारा अधिकारों के साथ कर्तव्यों को समान महत्व देने पर भी जोर दिय गया है।

अंत में लेख इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि मानवाधिकारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक सामूहिक प्रयास आवश्यक है, जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना शामिल है।

मानवाधिकार मूलत: मानव जाति को दिए या मिलने वालों से संबंधित है। प्राचीन भारतीय ग्रन्थों में भी इनका प्रमाण मिलता है। अधिकार से उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों का शास्त्रकारों ने पूर्वानुमान कर लिया था और इसी कारण इन्होने त्याग, तपस्या, सहयोग, परोपकार जैसे सदगुणों के आधार पर अधिकार की अपेक्षा कर्तव्य को

अति महत्वपूर्ण बताया। प्रत्येक व्यक्ति को सभी प्रकार के अधिकार देने के लिए अपने कर्तव्यों का उचित निर्वाह करना आवश्यक है। मानवीय संवेदना में आज निरंतर कमी आ रही है जिसे वैश्विक स्वीकृति को लुईस टेनकिन नामक विद्वान ने स्वीकार किया है। मानवाधिकारों का विकास और उसकी पृष्ठभूमि पर दृष्टिपात करने पर स्पष्ट होता है कि- "मानव अधिकार वे अधिकार है जो व्यक्ति को मानव होने के कारण प्राप्त है। इनका आधार मानव स्वभाव में ही निहित है।"

मानवाधिकारों के प्रति सम्मान का भाव विकसित करने लिए वैश्विक स्तर पर कर्तव्यों की व्याख्या करते समय प्राचीन भारतीय सन्दर्भ सदैव प्रासंगिक रहे है। समता और स्वतंत्रता को कायम रखना चाहिए तथा मानवाधिकारों के संरक्षण हेतु, धर्माचरण का भी कर्तव्य होना चाहिए। वर्तमान व भावी जीवन के कर्तव्यों को उचित रूप से समझने तथा पालन करने के लिए इनकी शिक्षा देनी जरूरी है। वैश्विक स्तर पर कर्तव्य बोध को जागृत करने के लिए व्यक्ति के अस्तित्व की गरिमा का बोध कराया जाना चाहिए साथ ही, समाज के सभी वर्गो का कर्तव्य स्तर पर मानवाधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सभी राष्ट्र सामूहिक मार्ग पर चलते हुए सामाजिक कल्याण के कार्यो में लग जाएँ, तो विश्व का संपूर्ण परिदृश्य ही बदल जाएगा और मानव कल्पना साकार होगी।

Varun Chotila
9th-B

संस्मरण

स्वंय का परिवर्तन

सर्वप्रथम मैं आज एक ऐसी घटना का वर्णन करने जा रहा हूँ। जिससे की मेरे जीवन में बहुत बदलाव हुआ है। यह घटना मेरे साथ आज से 4 वर्ष पहले गर्मियों की छुट्टियों में जब मैं अपनी नानी के घर गया था, तब की है। वहाँ मुझे सभी बहुत समझदार व अच्छा मानते थे। परन्तु उस वक्त मैं बहुत ही शरारती बच्चा था। एक बार मैं वहीं बैठा देख रहा था कि दो लोग आपस में बैठे वार्तालाप कर रहे थे। वह वार्तालाप करते-करते लड़ने लगे और उनमें से एक समझदार था वह दूसरे से बोला अरे भाई क्यूँ बहस करते हो, वह यह बोलकर उससे माँफी माँग कर चला गया। उससे मुझें यह शिक्षा मिली मैने सोचा माँफी माँगना तो अच्छी बात, क्योकि इससे तो बड़ी से बड़ी गलती माँफ़ हो जाती है। उस समय मेरी आयु 13 वर्ष की थी। मुझे किसी व्यक्ति ने ये भी बताया की शान्त स्वभाव वाला व्यक्ति हमेशा कामयाब होता है और वह सभी से श्रेष्ठ होता है और बडों का आदर व कहना मानने वाला व्यक्ति हमेशा उस व्यक्ति की नजर में प्रसिद्ध रहता है। इन सभी छोटी छोटी शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने से मैं आज खुद को सभी से अलग महसूस करता हूँ। एक बार मैं जब अपने भाई के साथ छत पर खेल रहा था। तो उसमें और मेरे में लड़ाई हुई तो मैं छत से गिर गया और मेरा हाथ फैक्चर हो गया था। तब से मैने सभी के साथ लड़ना बन्द कर दिया क्योकि किसी के साथ लड़ने से अपने को ही नुकसान पहुंचता है। उस समय से आज तक मैं किसी से नहीं लड़ता। मेरी इन छोटी-छोटी जीवन की घटनाओं से मुझे इतना अनुभव अपने विद्यार्थी जीवन में हो गया की मैने कभी किसी को पेरशान नहीं किया है। इस समय तक बस यही है मेरे जीवन की ऐसी घटना है, जिससे मेरे जीवन में अत्यधिक प्रसन्नता है। मैने इन घटनाओं से स्वयं के जीवन को बदल दिया क्योंकि यदि हम अच्छे होंगे तो हमे सामने वाले भी अच्छे लगेंगे। मुझे ये छोटी छोटी बातें घटनाओं के समान लगती हैं। मैंने इन सभी पर ध्यान दिया है। जिससे आज मैं स्वंय को परिर्वतनशील महसूस करता हूँ। यह है मेरे जीवन की छोटी सी घटना जिसके बीतने के बाद में आज स्वंय को बदला हुआ पाया। इन घटनाओं से मेरा जीवन बदल गया।

Aditya Singh
11th-B

सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज आगरा की आत्मकथा

मैं, सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज जैसा आज हूँ, वैसा पहले नहीं था। मेरी शिक्षा यात्रा बड़ी ही रोचक है। मेरी स्थापना जुलाई सन् 1959 ई० में श्रद्धेय फादर लॉरेन्स कलको के कर कमलों द्वारा की गई। मेरी स्थापना का मुख्य उद्देश्य गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को हिन्दी माध्यम से शिक्षा के साथ जोड़ना था ताकि ये बच्चे समाज में ज्ञान का प्रकाश फैला सकें और समाज की प्रगति में सहायक हो सकें।

सन् 1959–1961 तक श्री आर. एस. चेगले जी तथा सन् 1961–1965 तक श्री एम. सी जैन जी प्रधानाध्यापक रहे। सन् 1966 मैं पहली बार सेण्ट पॉल्स जूनियर हाई स्कूल बना। मैं बहुत खुश हुआ क्योंकि अब मैं प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा था। धीरे–धीरे समय बीतता गया। कई फादर आये ओर उन्होंने मुझमें कई विकासात्मक परिवर्तन किये। जिसके कारण मैं प्रगति के पथ पर और तेज गति से बढ़ने लगा तथा समाज में अब मेरा भी योगदान बढ़ने लगा। सन् 1978 में लीनुस लाज़रस जी विद्यालय के प्रधानाध्यापक बने जो 1996 तक रहे। श्रद्धेय फादर वर्गीस कुन्नथ जी के अथक प्रयासों से मैं सन् 1999 में सेण्ट पॉल्स हाई स्कूल बन गया। यहाँ पढ़ने वाले बच्चे विभिन्न संस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेकर मेरी खुशी को और बढ़ा देते हैं। बच्चे विभिन्न खेलों में भाग लेते हैं, तब मैं बहुत खुश होता हूँ। बच्चे पिकनिक के लिये भी दूर–दूर तक जाते है और अपने ज्ञान में वृद्धि करते हैं।

समय बीतता गया और मैं दिन प्रतिदिन आगे बढ़ता जा रहा था। फिर वो दिन आया जब मैं सन् 2011 में सेंट पॉल्स इण्टर कॉलेज बन गया। अब मेरी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। यह खुशी मुझे श्रद्धेय फादर रोजीमोन थॉमस जी ने प्रदान की अब मैं और अधिक प्रगति करने लगा। श्रद्धेय फादर जिप्सन पालाटी ने एक नये ब्लॉक का निर्माण कराकर मेरी खुशी में चार चाँद लगा दिये। अब में समाज के विकास में और अधिक सकारात्मक भूमिका निभाने लगा।

जो बच्चे में मेरे यहाँ से पढ़ कर जाते हैं वे बड़ी–बड़ी कम्पनियों में विभिन्न उच्च पदों पर बैकों में तथा डॉक्टर के पदों पर कार्य कर रहे है। बहुत से बच्चे विदेशों में भी कार्यरत हैं। कुछ बच्चे भारतीय सेना में भी कार्य कर चुके हैं। विभिन्न विभागों के उच्च पदों पर कार्य कर रहे हैं। यह सब देखकर मैं बहुत खुश होता हूँ और पढ़ने वालों बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। आज मैं प्रधानाचार्य श्रद्धेय फादर संतियागों राज जी तथा प्रधानाध्यापिका सिस्टर एमीली ग्रेसी जी के सानिध्य में प्रगति की राह पर निरंतर आगे बढ़ रहा हूँ और बढ़ता रहूँगा ।

नरेश कुमार शर्मा
अध्यापक

St. Paul's News...

सेंट पॉल इंटर कॉलेज में शनिवार को खेल दिवस मनाया गया।

वार्षिक खेलकूद में बच्चों ने दिखाया दमखम, जीते मेडल

आगरा। सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज मोती लाल नेहरू रोड का वार्षिक खेलकूद दिवस मनाया गया। शुभारंभ प्रार्थना गीत के साथ मार्चपास्ट साथ हुआ। हैड बॉय गौरवित चौहान, शिविन, चेतन कर्दम, करन के नेतृत्व में मार्चपास्ट हुई। इस दौरान विभिन्न प्रकार की दौड़ प्रतियोगिता हुई। फ्रूट रेस, केला रेस, गुब्बारा रेस, हूप्ला रेस जूनियर वर्ग व सीनियर वर्ग से 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, रिले रेस हुई। मदर टेरेसा हाउस प्रथम, महात्मा गांधी हाउस द्वितीय, अब्दुल कलाम हाउस तृतीय रहा। विजेता उपविजेताओं को प्रमाणपत्र, ट्राफी व मेडल वितरित किये गए। मुख्य अतिथि आर्च बिशप डॉ. राफी मंजली, विशिष्ट अतिथि विक्रम सिंह, फादर सिजू, प्रधानाचार्य फादर संतियागो राज, सिस्टर ग्रेसी सहित बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

फुटबाल प्रतियोगिता में 14 टीमों ने दिखाया दमखम

जासं, आगरा : मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में तीन दिवसीय लीनुस लाजरस मेमोरियल अंतर विद्यालय फुटबाल टूर्नामेंट सीजन–3 की शुरुआत शुक्रवार से हुई। प्रतियोगिता में 14 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। इसमें बोस्टन पब्लिक स्कूल, बलूनी पब्लिक स्कूल, सेंट जार्जेस, सेंट कानरेड्स, विज्डम मिलेनियम, सेंट क्लेयर्स स्कूल यूनिट –2, बलूनी पब्लिक स्कूल देवरी रोड, माही इंटरनेशनल, सेंट क्लेयर्स सीनियर सेकेंड्री, सेंट थामस, सेंट पाल्स चर्च यूनिट–2, सेंट पाल्स इंटर कालेज मोतीलाल नेहरू रोड टीम ए और बी शामिल हुई। एडीएम प्रशासन अजय कुमार सिंह ने प्रतियोगिता की शुरुआत की। आगरा महाधर्म प्रांत के अध्यक्ष डा. राफी मंजली ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। मौके पर फादर राजन, फादर प्रवीन राज मोरस, फादर जोस मालिकल, फादर जुड, सिस्टर अल्फो, फादर अल्विन पिंटो व अन्य मौजूद रहे।

St. Paul's News...

अंतर विद्यालय फुटबाल टूर्नामेंट का चैंपियन बना सेंट पीटर्स

जागरण, आगरा: मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में तीन दिवसीय लीनुस लाजारस मेमोरियल अंतर विद्यालय फुटबाल टूर्नामेंट सीजन-3 का समापन रविवार को हुआ। मुकाबला सेंट पीटर्स कालेज और सेंट पाल्स इंटर कालेज की टीमों के बीच खेला गया। इस मुकाबले में सेंट पीटर्स कालेज की टीम 3-0 विजेता रही।

लाजारस मेमोरियल अंतर विद्यालय फुटबाल टूर्नामेंट का चैंपियन बनने के लिए खिलाड़ियों ने अंतिम क्षण तक मैच में शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने फुटबाल को एक-दूसरे के गोलपोस्ट तक पहुंचाया। मुख्य अतिथि अल्बर्ट डिसूजा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। सेंट पीटर्स के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर टीम को चैंपियन बनाया। वहीं, सेंट पाल्स की टीम रनर अप रही। मुख्य अतिथि पूर्व महाधर्माध्यक्ष डा. अल्बर्ट डिसूजा, फादर इग्नेशियस मिरांडा, फादर अल्विन पिंटो, फादर सेंतियागो राज व अन्य मौजूद रहे।

सेंट पाल्स इंटर कालेज में आयोजित फुटबाल टूर्नामेंट में प्रतिभाग करते खिलाड़ी ● जागरण

विद्यार्थियों को दिलाई कर्तव्य निष्ठा की शपथ

सेंट पाल्स इंटर कालेज में विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। [illegible]

दैनिक जागरण

चावल के दानों पर नाम लिखवाकर कराया विद्यारंभ

[illegible]

खेलकूद प्रतियोगिता में मदर टेरेसा हाउस बना विजेता

आगरा। सेंट पाल्स मोती लाल नेहरू रोड स्थित सेंट पॉल्स इंटर स्कूल के प्रांगण पर वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महाधर्माध्यक्ष डॉ. राफी मंजली, विक्रम सिंह, फादर शिजू पिरोमलाकल ने किया। नर्सरी के छोटे-छोटे बच्चों ने फ्रूट रेस, कक्षा एलकेजी व यूकेजी के छात्रों ने केला रेस, गुब्बारा रेस में प्रतिभाग किया। 100 मीटर 200 मीटर और 400 मीटर रिले दौड़ में मदर टेरेसा हाउस प्रथम, गांधी हाउस द्वितीय व अब्दुल कलाम हाउस तृतीय स्थान पर रहा। प्रधानाचार्य फादर सेंतियागो, सिस्टर ग्रेसी ने विजेताओं को मेडल व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। संवाद

प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी, मुख्य अतिथि और अन्य। संवाद

फुटबाल टूर्नामेंट में सेंट पीटर्स विजेता

आगरा। मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय लीनुस लाजरस मेमोरियल अंतर विद्यालय फुटबाल टूर्नामेंट सीजन-3 का रविवार को फाइनल हुआ। सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज को हराकर सेंट पीटर्स कॉलेज चैंपियन बना। इससे पूर्व मुख्य अतिथि अल्बर्ट डिसूजा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस मौके पर फादर इग्नेशियस मिरांडा, फादर अल्विन पिंटो, प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी, डेरिक पीटर आदि रहे। संवाद

सेंट पॉल्स कॉलेज में फुटबाल प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी व अन्य। स्रोत संस्था

सेंट पॉल्स और सेंट पीटर्स कॉलेज की टीम फाइनल में

आगरा। मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय लीनुस लाजरस मेमोरियल अंतर विद्यालय फुटबाल टूर्नामेंट सीजन-3 का शुभारंभ किया गया। सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज व सेंट पीटर्स कॉलेज की टीम फाइनल में [illegible]

न्यूज नेटवर्क इंडिया

गौरवित चौहान कैप्टन, मौ. अयान बने असिस्टेंट कैप्टन

विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

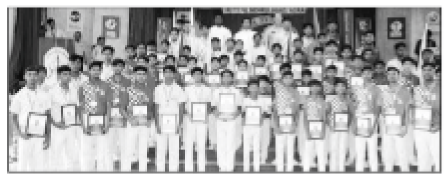

एनएनआई

आगरा। मोती लाल नेहरू रोड स्थित सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में विद्यालय में कर्तव्य निष्ठा और अनुशासन को बनाए रखने के उद्देश्य से विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। सीनियर वर्ग से गौरवित चौहान को कॉलेज कैप्टन और मौ. अयान को असिस्टेंट कैप्टन चुना गया। प्राइमरी वर्ग से विराट को कॉलेज कैप्टन व हर्षित कुशवाह को असिस्टेंट कैप्टन चुना गया। साथ ही कल्चरल कैप्टन, स्पोर्ट्स कैप्टन, अनुशासन पदाधिकारी ने संविधान को साक्षी मान कर बढ़ेय फादर सानियागो राज के नेतृत्व में संयम, ईमानदारी, सत्यनिष्ठ व अनुशासन के साथ कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में असिस्टेन्ट कमिशनर ऑफ पुलिस फतेहाबाद कमिशनरेट आगरा के अमरदीप व वशिष्ट अतिथि के रूप में फादर आलविन पिन्टो (प्रधानाचार्य सेंट पीटर्स कॉलेज आगरा) मौजूद रहे। संचालन प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी, अध्यापकों व छात्रों के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

वार्षिक खेलकूद दिवस पर दौड़ लगाते छात्र ● जागरण

विद्यार्थियों ने दिखाई खेल प्रतिभा मदर टेरेसा हाउस रहा प्रथम

जासं, आगरा: मोती लाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में शनिवार को वार्षिक खेलकूद दिवस का आयोजन किया गया। छात्रों विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक रोचक प्रस्तुतियां दीं। साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। वर्ष भर हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में मदर टेरेसा हाउस प्रथम रहा।

महात्मा गांधी हाउस द्वितीय और अब्दुल कलाम हाउस तृतीय रहा। कक्षा नर्सरी के विद्यार्थियों ने फ्रूट रेस, कक्षा एलकेजी, यूकेजी के विद्यार्थियों ने केला रेस, गुब्बारा रेस, बुक्ला रेस और कक्षा एक, दो और तीन के विद्यार्थियों ने जूनियर व सीनियर वर्ग की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया।

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार, ट्राफी व पदक मुख्य अतिथि आगरा महाधर्म प्रांत के महाधर्माध्यक्ष डा. राफी मंजली, विशिष्ट अतिथि फादर शिजू पिरोमलाकल, प्रधानाचार्य फादर सेंतियागो राज, सिस्टर ग्रेसी, विक्रम सिंह ने दिए। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। संचालन प्रधानाचार्य फादर सेंतियागो राज ने किया।

लीनुस लाजरस मेमोरियल अंर्त विद्यालय फुटबॉल टूर्नामेंट सीजन -3 संपन्न

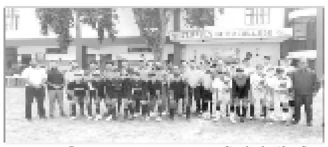

[illegible]

क्रॉस कंट्री में शिविन, चेतन और करन अव्वल

सेंट पॉल इंटर कॉलेज में क्रॉस कंट्री का शुभारंभ करते अतिथि। संवाद

आगरा। मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पॉल इंटर कॉलेज में क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन किया गया। शुभारंभ प्रबंधक फादर ऑलविन पिंटो, प्रधानाचार्य फादर सेंटियागो राज ने किया। प्राइमरी वर्ग से प्रथम शिविन, द्वितीय अनस और तृतीय वरुण रहे। जूनियर में प्रथम चेतन, द्वितीय सिकंदर, तृतीय यश रहे। सीनियर वर्ग में प्रथम करन, द्वितीय हर्ष पलवार और तृतीय स्थान पर रोहन सिंह रहे। संचालन सिस्टर ग्रेसी ने किया। संवाद

अपने-अपने वर्ग में प्रथम रहे शिविन, चेतन और करन

मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में क्रास कंट्री रेस को झंडी दिखाकर रवाना करते सेंट पीटर्स कालेज के प्रधानाचार्य फादर आलविन पिंटो और विद्यालय प्रधानाचार्य फादर सेंटियागो राज ● डी. शुक्ला

आगरा : मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में शनिवार को क्रास कंट्री रेस आयोजित की गई। छात्रों में व्यायाम और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हुए आयोजन में प्राइमरी वर्ग में शिविन, जूनियर वर्ग में चेतन, सीनियर वर्ग में करन कुमार प्रथम रहे। सुबह सात बजे प्रारंभ हुई रेस में सभी वर्गों के छात्रों ने प्राइमरी, जूनियर और सीनियर वर्ग में प्रतिभाग किया। विद्यालय प्रबंधक व सेंट पीटर्स कालेज के प्रधानाचार्य फादर आलविन पिंटो और विद्यालय प्रधानाचार्य फादर सेंटियागो राज ने झंडी दिखाकर रेस प्रारंभ की। इसके प्राइमरी वर्ग में शिविन प्रथम, अनस द्वितीय, वरुण तृतीय रहे। जूनियर वर्ग में चेतन प्रथम, सिकंदर द्वितीय, यश तृतीय और सीनियर वर्ग में करन कुमार प्रथम, हर्ष पलवार और रोहन सिंह द्वितीय रहे। संचालन प्रधानाध्यापक सिस्टर ग्रेसी ने किया। वि.

सिटी स्पोर्ट्स

सेंट पीटर्स कॉलेज ने जीता लीनुस लाजरस स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट

लीनुस लाजरस स्मृति अंतर विद्यालय फुटबाल टूर्नामेंट की विजेता-उपविजेता टीमों को पुरस्कृत करते अतिथि।

आगरा। मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय लीनुस लाजरस स्मृति अंतर विद्यालय फुटबाल टूर्नामेंट का रविवार को समापन हो गया। फाइनल मुकाबला सेंट पीटर्स और सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज के बीच खेला गया। सेंट पीटर्स ने मैच जीतकर विजेता ट्राफी अपने नाम की। मुख्य अतिथि पूर्व महाधर्माध्यक्ष डॉ. अल्बर्ट डिसूजा, विशिष्ट अतिथि फादर इग्नेशियस मिरांडा, फादर अल्विन पिंटो ने विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया। प्रधानाचार्य फादर सेंटियागो राज एवं मौजूद रहे।

ST. PAULS INTER COLLEGE
RED HOUSE (ST. FRANCIS)

4
3
2
1

Sports

ROMAN CATHOLIC DIOCESE OF AGRA EDUCATION SOCIETY
AGRA RAINBOW

210
026
182

FANCY DRESS COMPETITION

Merry Christmas & Happy New Year

Merry Christmas & Happy New Year

Farewell Programme
Welcome to all of you.

Farewell Programme
Welcome to all of you.

Shining Star of St. Pauls

(2023-2024)

YASH DAGOUR
Class - X (89%)

PREM THAKUR (79.6%)
Class XII -B (Commerce)

MAYANK KAIN (89.6%)
Class XII - A Science

सत्र 2023-2024 में अपनी कक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

SIDDHANT SINGH (93.33%)
CLASS - Nursery

RUDRA SHARMA (95.67%)
CLASS - LKG

PARTH GUPTA (93.33%)
CLASS - UKG

SUFIYAN (95.08%)
CLASS - I

ALTAMASH UDDIN (94.42%)
CLASS - II

ARYA SHARMA (94.83%)
CLASS - III

JAGAT (91.42%)
CLASS - IV

CHETAN (90%)
CLASS - V

SHOURYA SHARMA (94.94%)
CLASS - VI

MOHD. SHOAIB (82.88%)
CLASS - VII

MOHD. ARSHAN (91.94)%
CLASS - VIII

NAITIK SHARMA (84.61%)
CLASS - IX

DIPESH DIWAKAR (78.3%)
CLASS - XI-SCI.

GAURVIT CHAUHAN (82.5%)
CLASS - XI COMM.

Full Attendance

MAYANK KUMAR (IX-B)

ANSHUL (X-A)

HARSH PALWAR (XI-SCI.)

KUNAL (XI SCI.)

श्रद्धांजलि

Mst. Gurjeet Nagar

बडे दु:ख के साथ प्रकाशित किया किया जा रहा है कि कक्षा-6 का छात्र गुरजीत नागर हमारे विद्यालय में कक्षा-L.K.G. से पढ़ रहा था। किसी रोग के कारण अचानक उसका देहान्त हो गया। वह हमारे विद्यालय का नन्हा सा सदस्य था। गुरजीत पढ़ने, लिखने व खेलने के साथ-साथ विद्यालय में आयोजित कार्यक्रमों में भी भाग लेता था उसका इस प्रकार से जाना हमारे लिए बहुत दुखद: घटना है।

Mrs. Jyoti Luthra

Gone to Heavenly Abode

"मृत्यु सत्य है, शरीर नश्वर है।
यह जानते हुए भी अपनों के जाने का दुख होता है।"

सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज की कक्षा यू. के. जी. की वरिष्ठ अध्यापिका स्वं. श्रीमती ज्योति लूथरा जी का निधन 17/9/24 को हुआ। इन्होंने विद्यालय को निस्वार्थ भाव से अपने जीवन के अमूल्य 27 वर्ष सेवा प्रदान की।

शोकाकुल विद्यालय परिवार की ओर से दिवंगत आत्मा को सादर श्रद्धांजलि।

Shining Star of St. Pauls (2024-2025)

MOHAMMED ZUBER (96%)
CLASS - NURSERY

SIDDHANT SINGH (96.5%)
CLASS - LKG

RUDRA SHARMA (98%)
CLASS - UKG

ABHI BUSWALA (96.91%)
CLASS - I

VANSH AGARWAL (96.33%)
CLASS - II

ALTAMASH UDDIN (94.25%)
CLASS - III

ARYA SHARMA (91%)
CLASS - IV

JAGAT (92.5%)
CLASS - V

ANSHUL SINGH (89.12%)
CLASS - VI

SHOURYA SHARMA (98.3%)
CLASS - VII

MOHD. SHOAIB (90%)
CLASS - VIII

KARTIK PALWAR (89.71%)
CLASS - IX

DHRUV KUMAR (84%)
CLASS - XI-SCI.

ROHIT RATHORE (75.3%)
CLASS - XI-COMM.

Ancillary Staff

Vashishth Graphic, Agra Mob: 9897838353

ST. PAUL'S INTER COLLEGE
Pandit Motilal Nehru Rd, Agra, Uttar Pradesh 282003, Mob.: 84393 84452, 9119783753, Email- sphsagra@rediffmail.com, Website: stpaulsagra.in